भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप
इन्क्यूबेशन एंड
इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

अंक - 03

संस्करण- 01

जनवरी 2024

टेक की बात

भारतीय रक्षा में उभरते हुए क्षेत्र

www.siicincubator.com

गुरु

मंत्र

श्री तरूण भार्गव

रणनीति, योजना, वित्तपोषण, शासन, जोखिम, नकदी प्रवाह प्रबंधन

प्रबंधन चर्चा और ड्यू डिलिजेंस (योग्यता मूल्यांकन)

सफलता एक सफर है, मंजिल नहीं।

धन जुटाने की प्रकिया की शुरुआत वहां से शुरू होती है जब आप निवेशकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक पेशेवर इन्वेस्टर पिच (investor pitch) तैयार करते है। इसके बाद, आप "प्रबंधन चर्चाएं" के दौरान आगे बढ़ते है, जहाँ विस्तार से व्यावसायिक चरित्र ,योजना और पूर्वानुमानों पर चर्चा होती है।

इन चर्चाओं के दौरान, निवेशक पिच में प्रस्तुत विवरणों से संस्थापकों की यात्रा, प्रेरणा, प्रतिबद्धता, उत्साह और कौशल को समझने का प्रयास करता हैं। उनका लक्ष्य संबोधित समस्या, उपयोग की गई तकनीक, बाजार आकार, ग्राहक स्वीकृति, गो-टू-मार्किट रणनीति, स्टार्टअप के राजस्व और लाभप्रदता के परिपेक्ष्य में स्पष्टीकरण प्राप्त करना होता है।

जब निवेशक को स्टार्टअप पर भरोसा हो जाता है, तो अगला कदम एक ड्यू डिलिजेंस (योग्यता मूल्यांकन) की दिशा में बढ़ना होता है। प्रगति चरण में स्टार्टअप की उत्कृष्टता की जांच के लिए ड्यू डिलिजेंस (योग्यता मूल्यांकन) प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इस पूरी प्रक्रिया के लिए काफी समय, मेहनत और संसाधन की जरुरत होती है इसलिए प्रारंभिक प्रबंधन चर्चाएं इसमें महत्वपूर्ण योगदान देती है। ड्यू डिलिजेंस की विशिष्टताएँ स्टार्टअप के स्तर, निवेश का आकार और निवेशक की पसंद के आधार पर भिन्न हो सकती हैं।

- ☑ **संस्थापकों की पृष्ठभूमि जाँच,** ईमानदारी का मूल्यांकन करने और उनकी उपलब्धियों के बारे में मुख्य दावों की पुष्टि करने के लिए आवश्यक हैं।
- ☑ **तकनीकी सतर्कता,** जो स्टार्टअप्स के लिए एक निर्दिष्ट आवश्यकता है। यह उत्पाद, प्रौद्योगिकी और भविष्य की संभावनाओं के विशिष्ट दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करता है।
- ☑ **कानूनी और अनुपालन सतर्कता** में अनुबंधों, समझौतों, आईपी और नियामक पहलुओं की समीक्षा शामिल है ।
- ☑ **वित्त और कर सतर्कता** जिसमें लेख-बही, योजना, बजट और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के आकलन शामिल हैं। ईएसजी (ESG) मूल्यांकन मुख्य रूप से ऊर्जा संक्रमण और स्थायिता क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।
- ☑ **व्यापार योजना और निधि अवश्यकताओं** में वित्तीय मॉडल की स्तरीय मानक जांच शामिल है,जिसमें निवेश आवंटन ,लाभकारिता और नकदी प्रवाहों की जाँच करके आवश्यक निधि और मूल्यांकन को निर्धारित किया जाता है।

निवेशक ड्यू डिलिजेंस (योग्यता मूल्यांकन) का कार्य स्वयं कर सकते हैं या इसे विशेषज्ञों को सौंप सकते हैं। इस प्रकिया से प्राप्त परिणाम निवेशक को संभावित जोखिमों को समझने, शेयरहोल्डर एग्रीमेंट में अनुबंध तैयार करने और सटीक मूल्यांकन करने में सहायता प्रदान करते हैं। प्रकटीकरण के मुख्य मानकों में स्थिरता, ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखना, प्रभावी संवाद के लिए लिखित जवाब देना और समझ सुनिश्चित करना शामिल है। प्रारम्भ से दिए गए सभी बयानों को शेयर सब्सक्रिप्शन एग्रीमेंट (SSA) और शेयरहोल्डर एग्रीमेंट (SHA) के तहत प्रतिष्ठान के रूप में माना जाएगा, जिसमें भविष्य के लिए कानूनी और व्यावसायिक प्रभाव होगा।

विषय - सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में दिसंबर माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर पूरे महीने में संपन्न हुए शानदार गतिविधियों पर गहराई से नज़र डालें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05-06

बौद्धिक सम्पदा अधिकार और तकनीक स्थानांतरण अनुभाग से

यह खंड बौद्धिक सम्पदा अधिकार क्षेत्र और तकनीक स्थानांतरण अनुभाग की प्रमुख घटनाओं की जानकारी प्रदान करता है, जो एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग प्रक्रिया की आपकी समझ को बढ़ा सकता है। अधिक जानने के लिए इस खंड को देखें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

नवप्रवर्तकों से बात

यह खंड हमारे पाठकों को वर्तमान में एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेशन के तहत विशिष्ट, नवीन प्रौद्योगिकियों में से एक से परिचित कराता है। क्रांतिकारी प्रगति और परिवर्तनकारी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानने के लिए इस खंड को पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 08

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में आगामी कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की जानकारी प्राप्त करें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 09

नवीन इन्क्यूबेशन

मेकाट्रॉनिक्स, योगेश वालिम्बे द्वारा स्थापित स्टार्टअप है, जो माइक्रोप्रोसेसर-आधारित गति नियंत्रण और पावर ड्राइव उत्पादों के विकास में विशेषज्ञ हैं। ये उत्पाद विशेष रूप से लागत कुशल ऑटोमेशन के लिए डिज़ाइन किए गए है जिन्हें मशीन टूल्स पर प्रेसिजन पोजिशनिंग एप्लीकेशन में उपयोग के लिए तैयार किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य हाई प्रेसिजन ग्राइंडिंग मशीन्स(उच्च परिशुद्धता वाली ग्राइंडिंग मशीनों) और अन्य संबंधित उपकरणों की ऑटोमेशन और रेट्रोफिटिंग को सुविधाजनक बनाना हैं।

अर्धन रिसर्च लैब्स प्राइवेट लिमिटेड एक पूर्ण-स्टैक डिजाइन और डेवलपमेंट कंपनी है जो भारत में एशिया का पहला स्वायत्त हाइपरसोनिक, मॉड्यूलर मानव रहित विमान बनाने का कार्य कर रही है। वैभव भटनागर द्वारा स्थापित इस स्टार्टअप का लक्ष्य सशस्त्र बलों, गृहरक्षा, अर्धसैनिक (पैरामिलिटरी) और निजी उद्यमों के लिए वास्तव में नवीनतम एआई-संचालित समाधान तैयार करना है।

Ensoverse Pvt. Ltd.

एनसॉवर्स प्राइवेट लिमिटेड टिकाऊ, सुरक्षात्मक और रक्षा परिधान क्षेत्रों पर काम करता है। संस्थापक, अजय सांगवान और वसुंधरा शर्मा, वर्तमान में बायोमास और माइक्रोब्स (सूक्ष्म जीव) से बने एक स्वदेशी, लागत प्रभावी, हल्के और पर्यावरण के अनुकूल फायर प्रॉक्सिमिटी सूट (एनएफपीए 1971) पर काम कर रहे हैं।

BRELA INNOVATIONS PVT.LTD.

ब्रेला इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक, श्रेया एम. नायर और मो. जाहिद खान ने स्तन स्वास्थ्य निगरानी(मॉनिटरिंग) के लिए एक स्मार्ट ब्रा पैड विकसित किया है जो किसी भी ब्रा को व्यक्तिगत स्तन स्वास्थ्य निगरानी(मॉनिटरिंग) उपकरण में बदल सकता है। यह पोस्ट लम्पेक्टॉमी(लम्पेक्टॉमी के बाद के रोगियों) और निदानित नहीं किए गए छोटी गांठ वाले रोगियों की निगरानी (मॉनिटरिंग) करने में सक्षम है।

Krishi Mandi
Connect to farmer

ई-कारीगरी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (कृषि मंडी) वरुण तिवारी द्वारा स्थापित यह कंपनी फसल उत्पादन की भविष्यवाणी करने और आलू और मशरूम जैसी फसलों की कटाई के बाद की उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक इमेज प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है। यह मंच, उपज को रेटिंग प्रदान कर बाजार के प्रवृतियां के अनुसार उचित मूल्य तय करता है, जिससे किसानों और उपभोक्ताओं के लिए पारस्परिक लाभ सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त, ई-कारीगरी लॉजिस्टिक्स को प्रबंधित करती है और साथ ही साथ, ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करती है।

GENOMIKI

जेनोमिकी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. दीक्षा भरतिया द्वारा स्थापित किया गया है, एक एआई-संचालित प्लेटफॉर्म है जो रॉ जीनोम टेस्टिंग डेटा का विश्लेषण करने के लिए जीनोम-सूचना एल्गोरिथ्म का उपयोग करती है। यह प्लेटफॉर्म व्यक्तिगत रिपोर्ट्स तैयार करती है और कस्टम-बिल्ट एनालिसिस (analysis) मॉड्यूल (Module) का उपयोग करके सटीकता के साथ कारणीय वेरिएंट्स की पहचान करती है। यह कैंसर के निदान और उपचार के लिए सटीक जानकारी प्रदान करती है, साथ ही वर्तमान चिकित्सा सुझाव भी देती है।

मासिक समयरेखा

29 नवंबर 2023

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर और एआईएमईडी(AIMED) ने राष्ट्र की स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चिकित्सा उपकरण अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए सहयोग किया। इस सहयोग के दौरान अमिताभ बंद्योपाध्याय, सह-प्रोफेसर प्रभारी, एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर, सुश्री श्रेया मलिक, डोमेन प्रमुख बायोटेक/मेडटेक वर्टिकल, एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर, और श्री राजीव नाथ, एचएमडी हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक तथा एआईएमईडी (AIMED) के फोरम समन्वयक उपस्थित थे।

और पढ़ें

4 दिसंबर 2023

समक टेक्नोलॉजीज और आईसीएआर-आईआईएमआर(ICAR-IIMR) ने डेयरी किसानों के लिए खाद्य सुरक्षा तथा खेती की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। आईसीएआर निदेशक ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस सहयोग का उद्देश्य कृषि में परिवर्तनकारी प्रगति लाना है, जिससे तकनीक और विशेषज्ञता को समाहित करके डेयरी किसानों को लाभान्वित किया जा सके।

11 दिसंबर 2023

आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और समीर (सोसाइटी फॉर रिसर्च एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रिसर्च- SAMEER) ने टाटा समूह की कंपनी तेजस नेटवर्क्स को 5जी आरएएन (Radio Access Network - RAN) का लाइसेंस दिया। प्रोफेसर वी कामकोटि, आईआईटीएम निदेशक, डॉ. पी हनुमंत राव, समीर महानिदेशक, प्रोफेसर रोहित बुद्धिराजा, आईआईटीके और अन्य प्रतिष्ठित लोगों ने इस परियोजना में सहयोग दिया। भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा समर्थित इस बहु-संस्थागत 5जी टेस्ट बेड(परिक्षण बेड) का उद्देश्य भारत में दूरसंचार नवाचार को प्रोत्साहित करके विकास के अवसरों को बढ़ावा देना है।

8 जनवरी 2024

एसआईआईसी(SIIC) और लावा मोबाइल्स ने आईआईटी कानपुर के नोएडा कैंपस में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, इस सहयोग के दौरान लावा मोबाइल्स के अध्यक्ष डॉ. ऋषि मोहन भटनागर और एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर-इन-चार्ज(पीआईसी) प्रोफेसर अंकुश शर्मा उपस्थिति थे। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य भारत में स्टार्टअप्स (उद्यमियों) और इनोवेटर्स (नवाचारियों) के लिए उपयुक्त अवसर प्रदान करना है। डॉ. भटनागर ने 5जी लैब के साथ सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की, ताकि उनके 5जी डिवाइस का परीक्षण किया जा सके, जिससे भारत के सबसे सुरक्षित 5G फोन निर्माण के मार्ग प्रशस्त हो सकें।

कार्यक्रम की

झलकियां

दिनांक 29 नवंबर 2023 को, अमिताभ बंद्योपाध्याय, सह-प्रोफेसर, प्रभारी, एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने डॉ. जितेंद्र कुमार, प्रबंध निदेशक, बाइरैक (BIRAC) से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य एसआईआईसी (SIIC) और बाइरैक **(BIRAC)** के बीच मौजूदा सहयोग का आकलन करना, अतिरिक्त साझेदारी संभावनाओं को तलाशना और भारत सरकार की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए संयुक्त प्रयासों को समन्वित करना था।

और पढ़ें

एसोचैम (ASSOCHAM) ने एमएसएमई (MSME) के सहयोग से दिनांक 5 दिसंबर और 6 दिसंबर, 2023 को कानपुर में दो दिवसीय आईपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम, "**आईपी यात्रा**" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयोजित इन सत्रों में पेटेंट्स, डिज़ाइन्स, कॉपीराइट्स, ट्रेडमार्क्स और तकनीकी हस्तांतरण पर चर्चाएं हुई। श्री रवि पांडे, आईपीआर सेल आईआईटी कानपुर,ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में अपने दृष्टिकोण को साझा किया।

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने दिनांक 12 दिसंबर, 2023 को बाइरैक और भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित **ग्लोबलबायोइंडिया 2023** में भाग लिया। इस कार्यक्रम में एसआईआईसी(SIIC) ने महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों के समक्ष अभिनव स्टार्टअप्स और सफलता की कहानियों का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त, बाइरैक (BIRAC) स्पर्श कार्यक्रम के तहत मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य दल (कोहॉर्ट) 2 को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए एसआईएआईसी(SIIC) के स्पर्श शोध छात्रों (fellows) को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

और पढ़ें

27 दिसंबर से **इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)** पर 5 दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण आईआईटी कानपुर और एमएसएमई मंत्रालय की एक संयुक्त पहल थी। प्रतिभागियों ने स्वयं को अत्याधुनिक तकनीकों से अवगत कराया और IoT की संभावनाओं को समझने के लिए सक्रियता दिखाई।

और पढ़ें

कार्यक्रम की
झलकियां

5 जनवरी 2024 को, **हेल्थकेयर इनोवेशन एंड आइडिएशन प्रोग्राम** ने छात्रों के बीच उद्यमशीलता की सोच को बढ़ावा देने के लिए एक टॉक शो का आयोजन किया। आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र अजय दुबे और उनकी पत्नी रूमा दुबे ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया। इसमें आईआईटी कानपुर के छात्र अंकुश यादव और सक्षम गुप्ता द्वारा प्रस्तुतियां दी गई, साथ ही प्रोफेसर अमिताभ बंद्योपाध्याय के द्वारा प्रद्त दृष्टिकोण ने कार्यक्रम को उत्कृष्ता प्रदान की।

दिनांक 6 जनवरी 2024 को लॉन्च किए गए **SIB-SHInE** कार्यक्रम के दूसरे दल(कोहॉर्ट) ने बायो-डिजाइन (bio-design) में नवाचार के एक नए युग की शुरुआत की। इस अवसर पर श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव, प्रो. सोनिया नित्यानंद, केजीएमयू लखनऊ के कुलपति, प्रोफेसर अमिताभ बंद्योपाध्याय और प्रोफेसर ऋषि सेठी की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। SIB-SHInE कार्यक्रम के दूसरे दल(कोहॉर्ट) के दौरान आईआईटी कानपुर और केजीएमयू के सात नए फेलो पर खास ध्यान केंद्रित किया गया ।

और पढ़ें

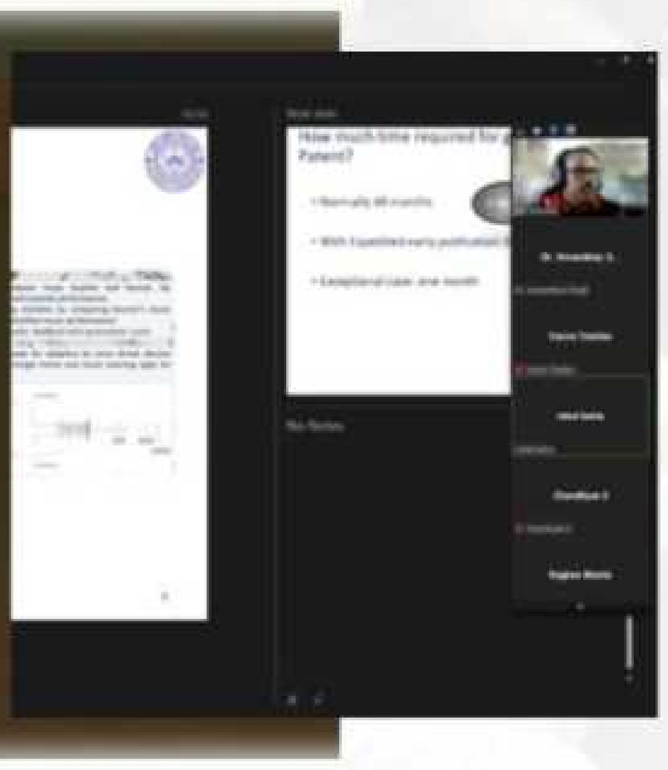

'एमएसएमई टॉक्स' पहल के हिस्से के रूप में, सिडबी बैंक और इमेजिनियरिंग लैब, आईआईटी कानपुर ने दिनांक 12 जनवरी, 2024 को एक ऑनलाइन आईपी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। श्री रवि पांडे आईपीआर सेल, आईआईटी कानपुर के अनुसंधान स्थापना अधिकारी ने एमएसएमई (MSME) के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPRs) के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने उत्पाद/सेवा सुरक्षा और लाइसेंसिंग समझौतों में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

ट्रीकल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड

ट्रीकल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने प्रतिष्ठित AWS x कैंपस फंड ग्रैंड चैलेंज 2023 जीता। इसकी विशेषज्ञता है रक्षात्मक सुरक्षा और यह सुनिश्चित करना कि व्यवसाय निरंतर बदलते माहौल में सुरक्षित रहें।

और पढ़ें

समक टेक्नोलॉजीज

समक टेक्नोलॉजीज ने प्रतिष्ठित चौथे संस्करण के START-O-VATION राष्ट्रीय स्टार्टअप सम्मलेन में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह आयोजन इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त प्रयासों के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पूरे देश में नवाचारी स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना और सरहाना प्रदान करना था।

एथ्रोन एयरोस्पेस

एथ्रोन एयरोस्पेस को ड्यूल-पर्पस ऑटोनोमस एरियल वाहन (उनके दोहरे उद्देश्य वाले स्वायत्त हवाई वाहन) के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है जिसका उपयोग रक्षा निगरानी के साथ-साथ सटीक कृषि के लिए भी किया जा सकता है। यह स्टार्टअप, जिसके पास नागरिक और सैन्य क्षेत्रों के लिए तकनीक है, जिसका उद्देश्य विभिन्न उद्योगों में नवाचारी हवाई समाधान प्रदान करना है।

और पढ़ें

AGRONXT

एग्रोनेक्स्ट

एग्रोनेक्स्ट के सीईओ, रजत वर्धन, हाल ही में डीडी किसान के एक कार्यक्रम 'विचार विमर्श' में शामिल हुए। 'मिलेट्स: छोटे किसानों के लिए जलवायु अनुकूल फसलें' विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में कृषि प्रौद्योगिकी की परिवर्तक भूमिका पर प्रकाश डाला गया और साथ ही सतत खेती के लिए जलवायु-प्रबंधन समाधानों के महत्व पर जोर दिया।

यूनेको

यूनेको ने 'स्टार्टअप गेटवे फॉर गारबेज फ्री सिटीज़' (एसजीजीएफसी) में, एकल-उपयोग प्लास्टिक विकल्पों में शीर्ष 8 प्रतिभागियों में मान्यता प्राप्त की है। यह अयोध्या में राम मंदिर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के प्रयास के साथ मेल खाता है, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया। इसकी स्वीकृति पर्यावरण निदेशालय, अयोध्या नगर निगम और डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल ज़ुसामेनरबीट (जीआईजेड) जीएमबीएच से मिली है।

और पढ़ें

अंगिरस

अंगिरस, एक आईआईटी कानपुर स्टार्टअप,('स्टार्टअप गेटवे फॉर गार्बेज फ्री सिटीज' (SGGFC) कार्यक्रम से संबंधित), इसने 'ईंटें बनाने के लिए कच्चे माल को सुखाने के लिए एक रोटरी ड्रायर सिस्टम के लिए पेटेंट हासिल किया है। हरित क्षेत्र में विशेषज्ञ अंगिरस, सतत समाधान प्रदान करता है, जो प्लास्टिक और अन्य कचरे के संयोजन से हल्के, नमी-रोधी और टिकाऊ ईंटें और पेवर ब्लॉक बनाता है।

लाइफ एंड लिम्ब

लाइफ एंड लिम्ब ने नैदानिक जांच (clinical investigation) के लिए नियामक मानकों का पालन करते हुए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (Central Drugs Standard Control Organization) से अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। यह मील का पत्थर (उपलब्धि) दर्शाता है कि उत्पाद पूर्ण रूप से सुरक्षा और प्रभावकारिता मानकों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्टार्टअप को उसके नवाचारी और प्रभावी डिजाइन तत्वों के लिए लेक्सस डिजाइन अवार्ड इंडिया 2024 के शीर्ष 5 में मान्यता प्राप्त हुई है।

और पढ़ें

आईपीआर गतिविधियां

आईआईटी कानपुर ने लगभग 14% की प्रभावशाली लाइसेंसिंग दर के साथ 122 **बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)** के आवेदन दाखिल किए है। यह उपलब्धि उनके तीन साल के निरन्तर प्रयास का परिणाम है, जिसमें उन्होंने संस्थान के इतिहास में सबसे अधिक आईपीआर प्राप्त किए है। अब आईपीआर की कुल संख्या 1039 हो गई है।

और पढ़ें

प्रोफेसर सिद्धार्थ पांडा और ब्रज भूषण (आईआईटी कानपुर के नेशनल सेंटर फॉर फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स सेंटर से,) ने 1 दिसंबर, 2023 को बेंगलुरु टेक समिट (बीटीएस) के दौरान एसिस्टिव टेक्नोलॉजी (सहायक तकनीकी) में उनके योगदान के लिए एसिस्टेक फाउंडेशन (AssisTech Foundation) पुरस्कार 2023 प्राप्त किया। प्रोफेसर पांडा रसायन इंजीनियरिंग विभाग से हैं, जबकि प्रोफेसर भूषण मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग से हैं।

और पढ़ें

एथ्रोन एयरोस्पेस

एथ्रोन एयरोस्पेस पुणे स्थित एक स्टार्ट-अप है जिसे आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेट किया गया है और यह iDEX योजना के तहत समर्थित है। इस स्टार्टअप की यात्रा जून 2015 में शुरू हुई, जब दो सह-संस्थापकों, प्रखर नंदी और फरज़िन बेहराम ईरानी ने मिलकर इसकी शुरुआत की। उन्होंने ड्रोन और एयरोस्पेस-आधारित तकनीकियों पर ध्यान देने के साथ, भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए डिजाइन और डेवलपमेंट (विकास) कार्य के साथ शुरुआत की। श्री सुयश सोनी, सेल्स प्रमुख के साथ एसआईआईसी (SIIC) की बातचीत से हमें उनके काम के बारे में विस्तृत जानकारी मिली। .

एसआईआईसी(SIIC): 2015 के बाद से आपकी यात्रा कैसी रही है?

एसएस: 2015 में, हमने उपयोगकर्ताओं(उपभोगताओं) और निर्माताओं के बीच अंतर को कम करना शुरू किया। 2017 से 2019 तक, हमने कश्मीर में घुसपैठ की चिंताओं को दूर करने के लिए आईआईटी, इसरो और डीआरडीओ के साथ परियोजनाओं पर सहयोग किया। 2020 में, हमने भारतीय नौसेना के साथ खोज और बचाव ड्रोन और ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड के साथ पैराग्लाइडर विकास के लिए iDEX परियोजनाएं प्राप्त कीं। पैराग्लाइडरों के लिए परीक्षण चुनौतियों ने हमें इस उद्यम यात्रा के लिए प्रेरित किया, लेकिन इन बाधाओं के बावजूद हमारी यात्रा सफल रही।

एसआईआईसी(SIIC): कृपया तकनीकी में एथ्रोन एयरोस्पेस की वर्तमान क्षेत्र की भागीदारी के बारे में विस्तार से बताएं?

एसएस: हम वर्तमान में एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों की डिज़ाइन और उनको विकसित कर रहे हैं। हमारा उदेश्य ड्रोन के लिए प्रोपेलर, रोटर ब्लेड और संपूर्ण संरचनात्मक डिज़ाइन बनाना है। इसके अतिरिक्त, हम ड्रोन के लिए लॉन्चर सिस्टम और पैराशूट-आधारित रिकवरी सिस्टम जैसी विशिष्ट तकनीकों पर भी काम कर रहे हैं। ये प्रणालियाँ महत्वपूर्ण घटक है जो ड्रोन उड़ाने के दौरान किसी विफलता के मामले में बेहद महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करती हैं।

एसआईआईसी(SIIC): आप अगले पांच वर्षों में एथ्रोन एयरोस्पेस को कैसे देखते हैं?

एसएस: आने वाले पांच वर्षों में, हमने नए कार्यक्रमों की योजना बनाई है। वर्तमान संचालित iDEX परियोजनाएं जो ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल), भारतीय नौसेना और एचएएल(HAL) के साझेदारी से चल रही है, इस वर्ष समाप्त हो जाएगा। इससे हमारे उत्पाद वर्ग को बढ़ावा मिलेगा। अगले पांच वर्षों में हमारा प्राथमिक ध्यान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ग्राहक विस्तार पर केंद्रित होगा। अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी का उद्देश्य नए उत्पादों के विकास के लिए आवश्यक संसाधनों को सुनिश्चित करना होगा, जिसका अंतिम लक्ष्य वर्तमान स्तर की तुलना में बिक्री की दरों को बीस गुना बढ़ाना है।

एसआईआईसी(SIIC): आपको एसआईआईसी(SIIC) से क्या मदद मिली?

एसएस: एसआईआईसी(SIIC) इन्क्यूबेशन ने हमारी वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाया और राष्ट्रीय रक्षा एजेंसियों के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा दिया है। 2020 से, इसने तकनीकी परीक्षण के लिए स्थानीय(ऑन-साइट) प्रयोगशालाओं तक पहुंच प्रदान की है। हमने नियमित रूप से अपने नवाचारों से सम्बंधित जानकारियों को संचारित किया है, जिसमें वीडियो या पावरपॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई हैं।

एसआईआईसी(SIIC): आप अपने स्टार्टअप के सुचारू संचालन के लिए धन का प्रबंधन कैसे करते हैं?

एसएस: एक स्व-वित्त पोषित(self-funded) स्टार्टअप के रूप में, हम स्वतंत्र रूप से राजस्व उत्पन्न करने को प्राथमिकता देते हैं। iDEX परियोजना के लिए, हमें सरकार से चरणबद्ध उपलब्धियों के आधार पर अनुदान प्राप्त हुआ है। लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हमने अपने ग्राहक आधार को बढ़ाया, मौजूदा संबंधों को मजबूत रूप दिया और अपने बहुमुखी स्वायत्त हवाई वाहन के लिए एक पेटेंट प्राप्त किया, जिसे रक्षा निगरानी और सटीक कृषि दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

> 'आत्मनिर्भर भारत के हमारे राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप, एक कंपनी की वृद्धि के लिए एक मजबूत नींव महत्वपूर्ण है।' ......सुयश सोनी

अंक - 03 | संस्करण- 01 | जनवरी, 2024

आगामी

कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

Abhivyakti' 24

14-17 मार्च

पारिस्थितिकी तंत्र संवर्धक

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

ICICI Securities
Ansys
NTT Data
standard chartered
HDFC BANK
infoedge
CAPRI GLOBAL CAPITAL LIMITED
CUGL Central U.P. Gas Limited
citi
आरईसी REC
MCX METAL & ENERGY Trade with Trust
DANA
GREEN GAS LIMITED

ज्ञान

futureskills prime
A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative
DWIH New Delhi
Land of Ideas

उद्योग

FICCI
AiMED
Encouraging Responsible Manufacturing
Association of Indian Medical Device Industry

सेवा

aws
exotel
freshworks

अंतर्राष्ट्रीय

iit STARTUPS
Singapore Indian Chamber of Commerce & Industry
TORONTO BUSINESS DEVELOPMENT CENTRE

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY
Ministry of Science & Technology
Government of India

Department of Science and Technology
Ministry of Science and Technology
Government of India

MeitY Startup Hub
iDEX Innovations for Defence Excellence

NIDHI BY DST
Entrepreneur-in-Residence
Powered by Venture Center

DSIR
DEPARTMENT OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

Ministry of Electronics and Information Technology
Government of India

UP START INUP
A Government of UP Initiative
sidbi
बाइरैक
birac
ignite innovate incubate
icmr
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911
GOVERNMENT OF UTTAR PRADESH

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्धन

PELTARION

क्लीनिकल

आत्मना सर्गं जितः
AIG HOSPITALS
Narayana Health
Health for all. All for health.
Ruby Hall Clinic

स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान कानपुर

अंक - 03 | संस्करण- 01 | जनवरी, 2024

टेककी बात

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर
कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर, ब्लॉक
सी, सेक्टर 62, नोएडा